इकाई - IV

13. मिर्च का मज़ा

प्रश्न :

1. यह दृश्य कहाँ का है?
2. बच्चे क्या कर रहे हैं?
3. आपको कौन–से स्वाद पसंद है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

एक काबुलीवाले की कहते हैं लोग कहानी,
लाल मिर्च को देख गया भर उसके मुँह में पानी।

सोचा, क्या अच्छे दाने हैं, खाने से बल होगा,
यह ज़रूर इस मौसिम का कोई मीठा फल होगा।

एक चवन्नी फेंक और झोली अपनी फैलाकर,
कुँजड़िन से बोला बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर।

लाल-लाल, पतली छीमी हो चीज़ अगर खाने की,
तो हमको दो तोल छीमियाँ फ़कत चार आने की।

हाँ, यह तो सब खाते हैं – कुँजड़िन बेचारी बोली,
और सेर भर लाल मिर्च से भर दी उसकी झोली।

मगन हुआ काबुली फली का सौदा सस्ता पाके,
लगा चबाने मिर्च बैठकर नदी-किनारे जाके।

SCERT TELANGANA

मगर, मिर्च ने तुरंत जीभ पर अपना ज़ोर दिखाया,
मुँह सारा जल उठा और आँखों में जल भर आया।

पर, काबुल का मर्द लाल छीमी से क्यों मुख मोड़े?
खर्च हुआ जिस पर उसको क्यों बिना सधाए छोड़े?

आँख पोंछते, दाँत पीसते, रोते और, रिसियाते,
वह खाता ही रहा मिर्च की छीमी को सिसियाते।

इतने में आ गया उधर से कोई एक सिपाही,
बोला – बेवकूफ़! क्या खाकर यों कर रहा तबाही?
कहा काबुली ने – मैं हूँ आदमी न ऐसा-वैसा।
जा तू अपनी राह सिपाही, मैं खाता हूँ पैसा!

रामधारीसिंहदिनकर

SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. काबुलीवाले ने मिर्च को स्वादिष्ट फल क्यों समझ लिया?
2. सब्ज़ी बेचने वाली ने क्या सोचकर उसे झोली भर मिर्च दी होगी?
3. सारी मिर्चें खाने के बाद काबुलीवाले की क्या हालत हुई होगी?
4. अगले दिन सब्ज़ी वाली टमाटर बेच रही थी। क्या काबुलीवाले ने टमाटर खाया होगा?

पढ़िए

कविता की वे पंक्तियाँ छाँटकर लिखिए जिनसे पता चलता है कि

- काबुलीवाला कुछ शब्द अलग तरीके से बोलता था।
  .....
- काबुलीवाला कंजूस था।
  .....
- मिर्च बहुत तीखी थी।
  .....
- काबुलीवाले को मिर्च के बारे में नहीं पता था।
  .....
- काबुलीवाले को 25 पैसे की मिर्च चाहिए थी।
  .....

लिखिए

1. किन–किन चीज़ों को देखकर आपके मुँह में पानी भर आता है?
2. मिर्च से क्या–क्या बनाया जा सकता है?

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

शब्द भंडार

मुँह में पानी

- लाल-लाल मिर्च देखकर काबुलीवाले के मुँह में पानी आ गया। आपके मुँह में किन चीज़ों को देखकर या सोचकर पानी आ जाता है?

....

....

जल या जल?

मुँह सारा जल उठा और आँखों में जल भर आया।

यहाँ जल शब्द को दो अर्थों में इस्तेमाल किया गया है।

जल – जलना

जल – पानी

इसी तरह नीचे दिए गए शब्दों के भी दो अर्थ हैं।

इन शब्दों का इस्तेमाल करते हुए एक-एक वाक्य बनाइए पर ध्यान रहे –

- वाक्य में वह शब्द दो बार आना चाहिए
- दोनों बार उस शब्द का मतलब अलग निकलना चाहिए। (जैसे ऊपर दिए गए वाक्य में जल)

✧ हार – .....

✧ आना – .....

✧ उत्तर – .....

✧ फल – .....

✧ मगर – .....

✧ पर – .....

SCERT TELANGANA

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

- अपने मन से बनाकर एक कविता यहाँ लिखिए।

.....

.....

.....

प्रशंसा

- विभिन्न खाद्य पदार्थों का अपना महत्व होता है। किंतु किसी भी वस्तु की अति उसके महत्व को कम कर देती है। अतः इस बात को ध्यान रखते हुए खाद्य पदार्थों का उपयोग कैसा करना चाहिए?

भाषा की बात

कुंजड़िन से बोला बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर

इस पंक्ति को ऐसे भी लिख सकते हैं –

बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर कुंजड़िन से बोला।

अब इसी तरह इन पंक्तियों को फिर से लिखिए –

- हमको दो तोल छीमियाँ फ़कत चार आने की।

.....

- वह खाता ही रहा मिर्च की छीमी को सिसियाते।

.....

- जा तू अपनी राह सिपाही, मैं खाता हूँ पैसा।

.....

SCERT TELANGANA

- एक काबुलीवाले की कहते हैं लोग कहानी।

चार आना

- चवन्नी मतलब चार आना।
  चार आना मतलब 25 पैसे।
  तो एक रुपए में कितने पैसे?

अब बताओ –
अठन्नी मतलब ..... आने।
इकन्नी मतलब ..... आना।
दुअन्नी मतलब ..... आने।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के सुना सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ। 2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ। 3. इस स्तर की कविताओं की भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ। 4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ। 5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

घिस-घिस

आपको चाहिए : पाँच-छह कागज़, अलग-अलग मोम के रंग

कैसे करना है: अलग-अलग पेड़ चुनो जैसे केला, बबूल, आम, बाँस, नारियल, जामुन। अब किसी एक पेड़ के तने पर अपना कागज़ रखो। उस पर किसी मोम रंग को ऊपर से नीचे की तरफ़ घिसो। तुम्हारे कागज़ पर उस पेड़ के तने की छाल की छाप आ गई न! इसी तरह दूसरे पेड़ों के साथ करो।

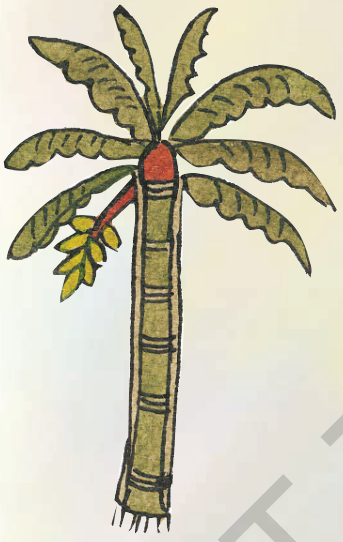

इन कागज़ों को अपनी कॉपी में चिपकाना मत भूलना

बच्चों को बताएँ की यह चित्र बिहार की मधुबनी शैली में बना है।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21